हरियाणा सरकार राजस्व विभाग युद्ध विभाग दिनांक 13 दिसम्बर, 1974

कमांक 2293-ज([)-74/41174.--पूर्वी पंजाब युद्ध गुरहकार अधितियम, 1948 (तैया कि उसे हिंग्याणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे ऑए अधिकारों का अथोग करते हुए हरियाणा के राज्यतान. निम्नलिखिन व्यक्तियों को वाधिक कोनन वालो युद्ध जागीर, उनके सामने दी गई फसल तथा राशि एवं सनद में दी गई शतों के अनुसार सहयं प्रदान करते हैं:---

क्रमांक	বিলা	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फ़मल/वर्ष जब से वार्षिक जागीर दी जानी है	ह राशि
ī	2	3	4	5	6	7
	· · · - · - · - · - · - · · - · · · · ·	· - · - · ·				₹0
1	महेन्द्रगढ	श्री जगदेव सिंह, पुत्र कुरड़ा सम	ध्राशया की गोरा वा स	रेवाड़ी	खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक	100
					खरीफ, 1970 से	150
2	ı	श्री प्यारे लाल, पुत सुखदेव	राजियाका	:	खरीफ, 1963 से रबी, 1970 तक	100
		J			खरीफ, 1970 से	150
3	el.	श्री सरदारा, पुत्र बलदेव	इहिना	**	खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक	100
					खरीफ, 1970 से	150
4	f‡	श्री सरदारा सिंह, पुत नुसा राम	मंग ले ग्व र	**	खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक	100
		5			खरीफ, 1970 से	150
5	11	श्रीराम प्रशाद, पुत्र हरसहाये	रसूली	**	रबी, 1973 से	150

दिनांक 16 दिसम्बर, 1974

कमोक 1344-ज(II)-74/41226.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है तथा उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(Iए) तथा 3(Iए) के श्रनुसार सौंपे गये श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागौर उन के सामने दी फसल तथा राशि एवं सनद में दी गई शतों के श्रनुसार सहवं प्रदान करते हैं:---

कमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पना	तहसील	फ़सल/वर्ष जत्र से जागीर वी गई	वार्षिक राशि	* *
1	2	3	4	5	6	7	
1	जींद	श्री माई राम, पुत श्री दलेल	बराड खेड़ा	जींद	रवी, 1973 में	रु० 1 50	

1	2	3	4	5	6	7
2	जीन्द	श्री राम किशन, पूत्र श्री ज्ञानी राम	खेड़ा दखता	जीन्द	रंबी, 1 ⁷ 73 से	150
3	*,	श्रीमती शांति देवी, विद्यवाश्रीविशम्बरदास	उचाना कलां	नरवाना	रवी, 1973 से	150
4 ,,	,,,	श्री बलमत, पुत श्रीपेम राज	पत्ती करमगढ़ ग्राम धिमाना	जोन्द	खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक	100
					खरीफ, 1970 से	150
5	,,	श्री मोलड़ राम, पुत्र	राजौंद	जीन्द	खरीफ, 1965 से	
		श्री बखतावर			रबी, 1970 तक	1 00
					खरीफ, 1970 से	150

करांक 2711-ज(1[)-74/41232.—-श्री जीवन दास, पुत्र भी रमें या दास, निवासी रोहतक, को दिनांक 18 ग्रक्तूबर, 1967 को मृत्यू के परिणामस्वरूग हरियाणा के राज्यपास पूर्वी पंजाब युद्ध पुरक्षार प्रधिनियस, 1948 की धारा 4 एवं 2ए(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहवं ग्रादेश देते हैं कि श्री जीवन दास की मृज्यिक 100 रुपए वाषिक की जागीर, जो कि उसे सरकार की ग्रिवनूबना कमांक 570-ग्रार([V]-67/1058, दिनांक 12 ग्रप्रैस, 1967, हारा मंजूर की गई थी, ग्रंथ श्रीमती पारवर्षी, विध्या श्री जीवन दास के नाम रवी, 1968 से रबी, 1970 तक 100 रुपए वाषिक तथा खरीक, 1970 से 150 रुपए वाषिक की दर से मन्जूर को जाती है। इन ग्रिधकारों का प्रयोग सनद में बी गई शर्तों के ग्रन्तग्रंत किया जाएगा।

दिनांक 18 दिसम्बर, 1974

कमांक 2013-ज(II)-74/41552.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपानाया गया है तथा उतमें भाज तक हरियाणा सरकार द्वारा संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए), (iए) तथा 3(1ए) के भ्रनुसार सौंपे गए श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री हरचन्द, पुत्र श्री दलेंज, निवासी गांच बराड खेड़ा, तहसील व जिला जीन्द, को रबी, 1973 से 150 रुपए वाविक कीमत वाली युद्ध जागीर, समद में दो गई शर्ती के भ्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

यशवन्त कुमार जैन, विशेष कार्य मधिकारी।

DEVELOPMENT AND PANCHAYAT DEPARTMENT

The 16th December, 1974

No. G-I-74/149.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952 (Act No. 4 of 1953), and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby makes the following amendment in Haryana Government, Development and Panchayat Department notification No. EP-H-71/45, dated the 5th June, 1971, namely:—

AMENDMENT

In the said notification in the Schedule, for item 105, the following items shall be substituted. namely:

*105 Sumera Khera
Bawani Khera (excluding Notified area of village Bawani Khera declared as such,—vide
Haryana Government Notification No. 65082C-73/21144, dated 18th June, 1973)

Bawani Khera Bhiwani."